

ग्रीनवॉशिंग

प्रलिस के लयः

ग्रीनवॉशिंग, कार्बन क्रेडिट

मेन्स के लयः

ग्रीनवॉशिंग और इसकी चुनौतयों, कार्बन मारकेट पर ग्रीनवॉशिंग का प्रभाव

चर्चा में क्यों?

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासचवऱ ने नज्जी नगऱमों को ग्रीनवॉशिंग की प्रथा को बंद करने और एक साल के भीतर अपने तरीकों में सुधार करने की चेतावनी दी है।

- महासचवऱ ने पूरी तरह से इससे संबंधित अभ्यास की नगऱरानी हेतु एक वशिषज्ज समूह गठित करने का भी नरिदेश दयऱ है।

ग्रीनवॉशिंग:

■ परचयः

- ग्रीनवॉशिंग शब्द का प्रयोग पहली बार वर्ष 1986 में एक अमेरकी प्रयावरणवदि और शोधकर्त्ता जे वेस्टरवेल्ड द्वारा कयऱ गया थऱ।
- ग्रीनवॉशिंग कंपनयों और सरकारों की गतवऱधयों की एक वसऱतृ शृंखला को प्रयावरण के अनुकूल के रूप में चऱरऱति करने का एक अभ्यास है, जसऱके परिणामस्वरूप उत्सर्जन से बचा या इसे कम कयऱ जा सकता है।
 - इनमें से कई दावे असतुयापति, भ्रामक या संदगऱध होते हैं।
 - हालांकी यह संस्था की छवऱ को बेहतर करने में मदद करता है, लेकनऱ वेजलवायु परवऱरतन के वरिद्ध लड़ाई में कसऱी प्रकार का वशिष सहयोग नहीं करता है।
 - शेल और BP जैसे तेल दगऱगजों तथा कोका कोला सहऱति कई बहुराष्ट्रीय नगऱमों को ग्रीनवॉशिंग के आरोपों का सामना करना पड़ा है।
- प्रयावरणीय गतवऱधयों की एक पूरी शृंखला में ग्रीनवॉशिंग सामान्य बात है।
 - अकसर वकऱसऱति देशों द्वारा वकऱसशील देशों में वऱतऱतीय प्रवाह के जलवायु सह-लाभों का सहारा लयऱ जाता है, जो कऱकऱभी-कभी बहुत कम तरकसंगत होते हैं, इन वकऱसऱति देशों के इस प्रकार के व्यवसाय नवऱशों पर ग्रीनवॉशिंग का आरोप लगता है।

■ ग्रीनवॉशिंग का प्रभावः

- ग्रीनवॉशिंग जलवायु परवऱरतन से नऱपिटने के संदर्भ में प्रगतऱ और वकऱस के गलत आँकड़े पेश करता है जो वशऱव को आपदा की ओर अग्रसर करते हैं। इसी के साथ यह गैर-जऱमऱेदार व्यवहार के लयऱ वभिन्न संस्थाओं को पुरस्कृत भी करता है।

■ वनऱयऱमन में चुनौतयोंः

- उत्सर्जन में संभावऱति कटौती करने वाली प्रकऱरयऱओं और उत्पादों की संख्या इतनी अधकऱ है कऱ उन सभी कऱनगऱरानी एवं सतुयापन करना वुयावहारकऱ रूप से असंभव है।
- मापने, रऱपऱरट करने, मानक स्थापऱति करने, दावों को सतुयापति करने और प्रमाणन प्रदान करने के लयऱ अभी भी प्रकऱरयऱओं, कारुयऱप्रणालयों एवं संस्थानों की स्थापना की जा रही है।
- बड़ी संख्या में संगठन इन कऱषेतुऱरों में वशिषज्जता का दावा कर रहे हैं और शुल्क के आधार पर अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। इनमें से कई संगठनों में सतुयनऱषऱठा और सशकऱतता का अभाव है, लेकनऱ वभिन्न नगऱमों द्वारा अभी भी उनकी सेवाओं का लाभ उठायऱ जाता है ताकऱ इससे वे स्वयं को अच्छऱ प्रदरशऱति कर सकें।
- ग्रीनवॉशिंग कार्बन क्रेडिट को कैसे प्रभावऱति करता है?

कार्बन क्रेडिट :

- **कार्बन क्रेडिट** (इसे कार्बन ऑफसेट के रूप में भी जाना जाता है) वातावरण में ग्रीनहाउस उत्सर्जन में कमी लाने के सापेक्ष दिया जाने वाला एक क्रेडिट है, जिसका उपयोग सरकारों, उद्योग या व्यक्तियों द्वारा उत्सर्जन के लिये क्षतिपूर्ति के रूप में किया जा सकता है।
- इसके द्वारा आसानी से उत्सर्जन को कम नहीं कर पाने वाले उद्योग वित्तीय लागत वहन कर अपना संचालन कर सकते हैं।
- कार्बन क्रेडिट "कैप-एंड-ट्रेड" मॉडल पर आधारित है जिसका उपयोग 1990 के दशक में सलफर प्रदूषण को कम करने के लिये किया गया था।
- एक कार्बन क्रेडिट, एक मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर है या कुछ बाजारों में कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष गैसों (CO₂-eq) के बराबर है।

कार्बन क्रेडिट पर ग्रीनवाॅशिंग का प्रभाव:

- **अनौपचारिक बाजार:**
 - अब सभी प्रकार की गतिविधियों जैसे कि पेड़ लगाने, एक नश्वर फसल उगाने, कार्यालय भवनों में ऊर्जा कुशल उपकरण स्थापित करने के लिये क्रेडिट उपलब्ध हैं।
 - ऐसी गतिविधियों के लिये क्रेडिट अक्सर अनौपचारिक तृतीय-पक्ष की कंपनियों द्वारा प्रमाणित किया जाता है और दूसरों को बेचा जाता है।
 - इस तरह के लेन-देन को ईमानदारी की कमी के रूप में चिह्नित किया गया है।
- **साख:**
 - भारत या ब्राज़ील जैसे देशों ने क्योटो प्रोटोकॉल के तहत भारी कार्बन क्रेडिट जमा किया था और वे चाहते थे कि इन्हें पेरिस समझौते के तहत स्थापित किये जा रहे नए बाजार में स्थानांतरित किये जाएं।
 - लेकिन कई विकसित देशों ने इसका वरिध किया, क्रेडिट की अखंडता पर सवाल उठाया और दावा किया कि वे उत्सर्जन में कमी का सही प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।
 - जंगलों से कार्बन ऑफसेट सबसे विवादास्पद मुद्दों में से एक है।

आगे की राह

- शुद्ध-शून्य उत्सर्जन लक्ष्य का अनुकरण करने वाले नगियों को जीवाश्म ईंधन में नए निवेश करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।
- उन्हें शुद्ध-शून्य उत्सर्जन लक्ष्य प्राप्त करने के मार्ग पर अल्पकालिक उत्सर्जन में कमी के लक्ष्यों को प्रस्तुत करने के लिये भी कहा जाना चाहिए।
- नगियों को नेट-शून्य स्थिति के लिये अपने लक्ष्य की शुरुआत में ऑफसेट तंत्र का भी उपयोग करना चाहिए।
- ग्रीनवाॅशिंग की नगिरानी के लिये नियामक संरचनाओं और मानकों के निर्माण की दृष्टि में प्राथमिकता से ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. "कार्बन क्रेडिट" के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन सा सही नहीं है? (2011)

- कार्बन क्रेडिट प्रणाली क्योटो प्रोटोकॉल के संयोजन में समपुष्ट की गई थी।
- कार्बन क्रेडिट उन देशों या समूहों को प्रदान किया जाता है जो ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन घटाकर उसे उत्सर्जन अभ्यंश के नीचे ला चुके होते हैं।
- कार्बन क्रेडिट का लक्ष्य कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में हो रही वृद्धि पर अंकुश लगाना है।
- कार्बन क्रेडिट का क्रय-विक्रय संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा समय-समय पर नियत मूल्यों के आधार पर किया जाता है।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- उत्सर्जन व्यापार, जैसा कि क्योटो प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 17 में निर्धारित किया गया है, उन देशों को अनुमति देता है जिनके पास कार्बन उत्सर्जन इकाइयाँ (यानी, कुल उत्सर्जन और उत्सर्जन के बीच का अंतर) हैं, लेकिन इस अतिरिक्त क्षमता को उन देशों को बेचने के लिये "उपयोग" नहीं किया जाता है जो अपने लक्ष्य से अधिक उत्सर्जन करते हैं।
- यदि कोई देश अपने लक्ष्य से कम हाइड्रोकार्बन का उत्सर्जन करता है, तो वह उत्सर्जन न्यूनीकरण खरीद समझौते (ERPA) के माध्यम से अपने अधिशेष क्रेडिट को उन देशों को बेच सकता है जो अपने क्योटो स्तर के लक्ष्यों को प्राप्त नहीं करते हैं।
- प्रमाणित उत्सर्जन कटौती (CER) एक प्रकार की उत्सर्जन इकाइयाँ (या कार्बन क्रेडिट) हैं जो स्वच्छ विकास तंत्र परियोजनाओं द्वारा प्राप्त उत्सर्जन में कमी के लिये स्वच्छ विकास तंत्र (CDM) के कार्याकारी बोर्ड द्वारा जारी की जाती हैं।
- यह क्योटो प्रोटोकॉल के नियमों के तहत एक नामित परिचालन इकाई (DOE) सत्यापित है।
- पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों के सतत अभ्यास और अनुप्रयोग कार्बन-क्रेडिट को बढ़ाता है जिनका व्यापार किया जा सकता है। इस प्रकार इससे GHG उत्सर्जन में कमी आती है क्योंकि यह एक प्रतिस्पर्धी और लाभकारी बाजार सुनिश्चित करता है। जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र अंतर-सरकारी पैनल (IPCC) ने कार्बन क्रेडिट व्यवस्था को "बाजार-उन्मुख तंत्र" के रूप में विकसित किया।

अतः विकल्प (d) सही है।

प्रश्न. क्या कार्बन क्रेडिट के मूल्य में भारी गिरावट के बावजूद जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन (UNFCCC) के तहत स्थापित कार्बन क्रेडिट और स्वच्छ विकास तंत्र को बनाए रखा जाना चाहिये? आर्थिक विकास के लिये भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं के संबंध में चर्चा कीजिये। (मुख्य परीक्षा, 2014)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/greenwashing>

